

Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 10 अप्रैल, 2021

प्रसि फलिपि

09 अप्रैल, 2021 को ब्रिटन के प्रसि फलिपि का 99 वर्ष की आयु में नधिन हो गया। एडनिबर्ग के ड्यूक प्रसि फलिपि ने वर्ष 1947 में ब्रिटन की राजकुमारी एलज़ाबेथ-II से विवाह किया था, जो कब्रिटिश इतिहास में सबसे लंबे समय तक शासन करने वाली महिला हैं। प्रसि फलिपि का जन्म 10 जून, 1921 को कोर्फू (ग्रीस) में हुआ था और वे ग्रीस के राजकुमार एंड्रयू के इकलौते पुत्र थे। उनकी माँ बैटलबर्ग की राजकुमारी थी, इसलिये प्रसि फलिपि को 'प्रसि ऑफ ग्रीस एंड डेनमार्क' भी कहा जाता था। राजकुमारी एलज़ाबेथ-II के साथ विवाह के बाद, प्रसि फलिपि को 'ड्यूक ऑफ एडनिबर्ग', 'अर्ल ऑफ मेरियोनेथ' और 'बैरन ग्रीनवचि' की उपाधियों से सम्मानित किया गया था। प्रसि फलिपि वर्ष 1939 में एक कैडेट के रूप में रॉयल नेवी में शामिल हुए। अपना प्रारंभिक प्रशिक्षण पूरा करने के बाद, प्रसि फलिपि ने वर्ष 1940 में युद्धपोत HMS रैमलीज़ पर मडिशपिमैन के रूप में हृदि महासागर में छह माह तक अपनी सेवाएँ दी थीं। बाद में प्रसि फलिपि को सब-लेफ़्टनैंट के रूप में पदोन्नत दे दी गई। वर्ष 1947 में उन्होंने राजकुमारी एलज़ाबेथ से विवाह किया और वर्ष 1952 में उन्हें रॉयल नेवी के कमांडर के तौर पर पदोन्नत किया गया, हालाँकि राजकुमारी एलज़ाबेथ-II के पति, किंग जॉर्ज-VI की मृत्यु के बाद रॉयल नौसेनिक के तौर पर प्रसि फलिपि का करियर समाप्त हो गया।

दुती चंद

जकार्ता एशियाई खेलों में 100 और 200 मीटर में रजत पदक जीतने वाली भारत की महिला धावक दुती चंद को छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा राज्य के 'वीरानी पुरस्कार' से सम्मानित किया जाएगा। इस संबंध में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा जारी आधिकारिक वज्रपत्र के मुताबिक, खेल के क्षेत्र में दुती चंद के योगदान को देखते हुए उन्हें इस पुरस्कार से सम्मानित करने का निर्णय लिया गया है। ज्ञात हो कि वर्ष 2019 में, ओडिशा की धावक दुती चंद, इटली में आयोजित विश्व विश्वविद्यालय खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनी थीं। दुती चंद ने 100 मीटर की दौड़ 11.22 सेकंड में पूरी कर राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया है। छत्तीसगढ़ राज्य सरकार द्वारा खेल, साहित्य, शिक्षा, कानून, संगीत, इतिहास, सामाजिक कार्य और व्यवसाय सहित विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं के योगदान को रेखांकित करने के लिये छत्तीसगढ़ वीरानी पुरस्कारों का गठन किया गया था। इस पुरस्कार का उद्देश्य, भारतीय समाज में महिलाओं को सशक्त बनाना और उनकी उपलब्धियों को रेखांकित करना है, साथ ही यह महिलाओं को विभिन्न क्षेत्रों में अग्रणी भूमिका निभाने के लिये भी प्रेरित करता है।

हॉन्गकॉन्ग प्रवासियों के लिये ब्रिटन का फंड

ब्रिटिश सरकार ने हाल ही में ब्रिटन के पूर्व उपनिवेश-हॉन्गकॉन्ग में राजनीतिक दमन से बच कर आने वाले प्रवासियों को एक नया जीवन शुरू करने के लिये 59 मिलियन डॉलर (43 मिलियन पाउंड) का कोष स्थापित करने की घोषणा की है। इस कोष के तहत हॉन्गकॉन्ग के ऐसे सभी ब्रिटिश नेशनल (ओवरसीज़) पासपोर्ट धारक लाभ प्राप्त करने के लिये पात्र होंगे, जिन्हें विशेष वीज़ा की पेशकश की गई है। यह ब्रिटन में कार्य करने, निवास करने और अंततः वहाँ की नागरिकता प्राप्त करने का मार्ग प्रशस्त करता है। हॉन्गकॉन्ग की कुल 7.4 मिलियन आबादी में से 5 मिलियन लोग इस कोष के तहत लाभ प्राप्त करने हेतु पात्र होंगे। इस कोष के तहत शुरू किये जाने वाले एकिकृत कार्यक्रमों के माध्यम से आवास, शिक्षा और रोज़गार तक पहुँच प्राप्त करने में मदद करने का प्रयास किया जाएगा। चीन ने ब्रिटन के इस कदम की कड़ी आलोचना की है और उसे 'पासपोर्ट प्रणाली' के दुरुपयोग के रूप में परभावित किया है, साथ ही चीन ने ब्रिटिश नेशनल (ओवरसीज़) पासपोर्ट को एक यात्रा अथवा पहचान दस्तावेज़ के रूप में मान्यता नहीं दी है। गौरतलब है कि वर्ष 1997 तक हॉन्गकॉन्ग ब्रिटिश साम्राज्य के नियंत्रण में था। 'वन कंट्री, टू सिस्टम' के सिद्धांत के तहत, हॉन्गकॉन्ग 1 जुलाई, 1997 को पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना का एक विशेष प्रशासनिक क्षेत्र (SAR) बन गया।

थ्री बैंडेड रोज़फचि

बॉम्बे नेचुरल हसिट्री सोसाइटी (BNHS) के वैज्ञानिकों ने पूरवी हिमालय में पक्षी की नए नई प्रजाति की उपस्थिति दर्ज की है। 'थ्री बैंडेड रोज़फचि' नामक यह पक्षी प्रजाति प्रायः दक्षिणी चीन और भूटान में पाई जाती है। बॉम्बे नेचुरल हसिट्री सोसाइटी के शोधकर्ताओं द्वारा इस पक्षी प्रजाति को अरुणाचल प्रदेश में समुद्र तल से लगभग 3800 मीटर ऊँचाई पर देखा गया है, जो कि भारत की जैव-विविधता की दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण है। इसी के साथ ही यह भारत में पक्षी परिवार की 1,340वीं प्रजाति बन गई है। ज्ञात हो कि वर्ष 2016 के बाद से, भारत में पाई जाने वाली पक्षी प्रजातियों की सूची में 104 नई प्रजातियाँ शामिल की गई हैं। 'थ्री बैंडेड रोज़फचि' पक्षी प्रजाति, फ्रजिलिडि परिवार से संबंधित है। भारत में इस पक्षी प्रजाति को जसि ऊँचाई पर रिकॉर्ड किया गया है, वह चीन में ज्ञात ऊँचाई से काफी अधिक है। इससे इस प्रजाति पर पारस्थितिक अनुसंधान की संभावनाएँ और अधिक बढ़ गई हैं।

